राजस्थान : लोकगीत

विरह गीत :-

① कुरजां :- विरहणी द्वारा अपने प्रियतम को संदेश पहुचाना !

② झोरावा :- जैसलमेर
- पति के परदेश जाने पर पत्नी द्वारा वियोग में गाये जाने वाला ।

③ सुवटिया = भील स्त्री द्वारा गाया जाने वाला गीत

④ पीपली :- शेखावटी क्षेत्र से
- वर्षा ऋतु
- महिला द्वारा परदेश के गये पति को बुलाती है।

⑤ हिचकी → मेवात क्षेत्र में

किसी की याद आने पर

⑥ कागा → विरहणी कौए को देखकर अपने प्रियतम के आने शगुन समझती !

⑦ चिरमी → लड़की द्वारा ससुराल अपने पिता व भाई को याद करते !

⑧ लावणी → अर्थ - बुलाने

नायक द्वारा नायिका को गीतो के माध्यम से बुलाने का संदेश

⑨ पपैहा

└→ प्रेमिका द्वारा प्रेमी को बाग में बुलाने का अनुरोध

⑩ सुपना → सपने से संबंधित विरह गीत

⑪ ओल्यू → अपने प्रिय की याद में

└ बेटी की विदाई के अवसर

⑫ पणिहारी → पतिधर्म पर अटल

⑬ बारहमासा – मूलत: विरह गीत

विवाह गीत :-

① परणेत गीत :- विवाह के अवसर पर गाये जाने वाले गीत

② पीठी :- विवाह अवसर पर वर-वधू को नहलाने से पूर्व

③ बिंदोला :- विवाह के पूर्व वर/वधु को रिश्तदारों द्वारा आंमत्रित करना !

④ कुकडलू :- विवाह के अवसर पर वर द्वारा तोरण मारते समय !

⑤ जला :- वधु पक्ष की महिलाओं द्वारा बारात का डेरा देखने जाते समय !

⑥ कामण :- दुल्हे को जादू टोने से बचाने के लिए !

⑦ पावणा :- दामाद के ससुराल आने पर महिलाओं द्वारा !

⑧ सीठनें → विवाह के अवसर दामाद / मेहमानों को भोजन करवाते समय गाली-गलौच गीतों के माध्यम से !

⑨ दुपट्टा → दुल्हन की सखियों द्वारा !

⑩ कोयलडी → दुल्हन की विदाई के समय परिवार की महिलाओं द्वारा

शृंगारिक गीत

1. कांगसियो :- बालों के शृंगार का वर्णन
2. काजलियो :- सोलह शृंगार में शामिल
3. केसरिया बालम :- विदेश गये पति को संदेश
   - राज्य गीत
4. घूर गीत = राजपूत महिलाओं द्वारा
5. हींडो/हीडोंल्या = सावन मास में झुला-झुलते समय